केस स्टडी

नंबर 7

लड़कियों को शिक्षा मतलब महिलाओं को आर्थिक आजादी

नामः पार्वती देवी

उम्रः 37 वर्ष

शिक्षाः दसवीं

मुखियाः 2015 से

अनुभवः सदस्य डुल्मी पंचायत समिति

ग्राम पंचायतः डुल्मी

पंचायत समितिः डुल्मी

जिलाः रामगढ

राज्यः झारखण्ड

डुल्मी ग्राम पंचायत की मुखिया पार्वती देवी अपने पद पर चुने जाने से पहले से ही अपने गाँव में लोगों की सेवा के लिये आगे रहने वाली महिला के रूप में जानी जाती हैं। यह ग्राम पंचायत झारखण्ड के रामगढ़ जिले के डुल्मी प्रखण्ड में आता है। मुख्य रूप से पार्वती देवी महिलाओं और वृद्धों को उनके अधिकार दिलाने के लिये प्रयास करती हैं। उनकी चिंता अपने गाँव से डायन प्रथा और दहेज प्रथा को समाप्त करना है जो कि उनके अनुसार उनके गाँव में कुछ अधिक है। उनकी इच्छा है कि उनके गाँव की सभी महिलाओं को आर्थिक मामलों में निर्णय लेने की छूट मिले और हर लड़की को बिना किसी बाधा के शिक्षा उपलब्ध कराई जाये।

पार्वती देवी से मुलाकात प्रखण्ड कार्यालय के बाहर हुई जहाँ कुछ देर बात चीत के बाद उन्होंने एक अर्ध–सरकारी स्कूल में बैठकर चर्चा करने का प्रस्ताव किया। उनके साथ डुल्मी प्रखण्ड के ही एक अन्य ग्राम पंचायत की मुखिया भी थीं। पार्वती देवी ने बात–चीत के दौरान बताया कि अपने ग्राम पंचायत की मुखिया बनने से पहले उन्होंने पंचायत समिति के सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया था। उनके अनुसार पंचायतों के चुनावों से पहले ही उन्होंने लोगों की सेवा करने का काम अपने स्तर से शुरू कर दिया था।

पार्वती देवी बताती हैं कि मुखिया पद पर चुने जाने के बाद उन्होंने किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं लिया है लेकिन पंचायत समिति के सदस्य के रूप में काम किये होने के कारण वह ग्राम पंचायत में अपने कामों को आसानी से कर पा रही हैं। इसी के आधार पर उन्होंने पिछले लगभग दो सालों में ग्राम पंचायत क्षेत्र के 26 परिवारों में शौचालय निर्माण का काम करवाया है, गाँव में नाली निर्माण, तालाब गहरीकरण, जमीन समतलीकरण का काम कराया है और बहुत से परिवारों का राशन कार्ड बनवाया है। उनके अनुसार निर्माण के काम महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (मनरेगा) के द्वारा कराये गये हैं और कुछ पैसा पंचायत फंड से भी मिला है। उनके अनुसार सभी कच्चे काम मनरेगा से और पक्के काम पंचायत फंड से कराये गये हैं।

पार्वती देवी के अनुसार डुल्मी ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत डेवलपमेन्ट प्लान के माध्यम से योजना का निर्माण किया गया है और उसमें उन्होंने लोगों को योजना के बारे में जानकारी देने, बैठक में बुलाने और सभी दस्तावेजों को प्रखण्ड कार्यालय में भेजने में सक्रिय भूमिका निभायी है। पार्वती देवी के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिये सही तरीकों से लोगों का नाम चयन करवाया है और इसके लिये उन्होंने सभी लाभार्थियों के घर जाकर उनके बारे में पक्की जानकारी लेने के बाद ही उन्हें योजना का लाभ दिलवाया।

एक महिला मुखिया के रूप में पार्वती देवी की प्राथमिकता महिलाओं और लड़कियों के विकास को लेकर है। ग्राम पंचायत की बैठकों में वह अक्सर उनकी समस्याओं को रखती हैं। उनके गाँव की बहुत सी लड़कियाँ कॉलेज नहीं जा पाती हैं क्योंकि यह रामगढ़ में है जो उनके ग्राम पंचायत से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर है। दूसरे कॉलेज हजारीबाग या रांची में हैं। ऐसे में लड़कियों की कम उम्र में शादी कर दी जाती है। उनके अनुसार ऐसे में आस–पास के क्षेत्रों में कॉलेज का खोला जाना बहुत जरूरी है जिससे लड़कियों को उच्च शिक्षा के अवसर मिल सके। उनका मानना है कि अच्छी शिक्षा मिलने से दहेज की समस्या कम हो सकेगी क्योंकि पढ़ी–लिखी लड़कियाँ अपने लिये खुल कर बोल सकेंगी और अपने जीवन के लिये सही निर्णय स्वयं ले सकेंगी और अपने आर्थिक स्तर को भी सुधार सकेंगी।

पार्वती देवी के अनुसार डुल्मी प्रखण्ड के सभी आंगनबाडियों में दो प्रमुख समस्या है और उनके ग्राम पंचायत में भी यही समस्या है। उनका मानना है कि इन आंगनबाड़ियों में साफ–सफाई और खाने में क्या मिलना है इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। पार्वती देवी के अनुसार उन्होंने इस विषय को आंगनबाड़ी सेविका के सामने उठाया था। वहॉ से कोई समाधान न मिलने के बाद उन्होंने इस विषय को उपायुक्त कार्यालय में भी रखा। इसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी आंगनबाड़ी का निरीक्षण करने आये लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है।

पार्वती देवी घर पर रहने वाली महिलाओं की आय को बढ़ाने की भी सोच रखती हैं। उनके अनुसार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं का बहुत भला नहीं होगा क्योंकि इससे बहुत अधिक आय लोगों को नहीं मिल सकती है। ऐसे में उनका मानना है कि लड़कियों और महिलाओं की क्षमताओं को बढ़ाने के लिये राज्य के स्तर से कुछ सहयोग किया जाना चाहिये।

पार्वती देवी के अनुसार एक और समस्या बैंक से जुड़ी है। डुल्मी ग्राम पंचायत के सबसे पास के बैंक की शाखा ग्राम पंचायत से 7 किलोमीटर की दूरी पर है। पार्वती देवी ने बैंक के अधिकारियों से बात करके उनको ग्राम पंचायत में बुलाया और एक कैम्प लगाकर ग्राम पंचायत के बहुत से परिवारों के खाते खुलवाये गये। किन्तु उनके अनुसार ग्राम पंचायत से दूरी होने के कारण महिलाओं को बैंक जाने में दिक्कत आ रही है।

पार्वती देवी बताती हैं कि उनके ग्राम पंचायत के आस–पास कोई अच्छा अस्पताल भी नहीं है जिससे लोग अक्सर झाड़–फूँक करने वाले लोगों के पास जाते हैं। उनके अनुसार पास में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है लेकिन वहाँ कोई डॉक्टर नहीं आता है।

रोजगार के अवसरों को लेकर पार्वती देवी बताती हैं कि पलायन के कारण गाँव में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना में काम करने के लिये लोग नहीं मिलते हैं। इस योजना में कम मजदूरी ओर समय पर मजदूरी का भुगतान नही होने के कारण लोग दूसरे जगहों पर काम करना ज्यादा पसंद करते हैं।

पार्वती देवी के अनुसार ग्राम पंचायत में ठीक से काम हो सके इसके लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक पंचायत सेवक का होना जरूरी है। उनके अनुसार 'ऊपर से सहयोग नहीं भी मिलेगा तो चलेगा लेकिन ग्राम पंचायत में काम का भार अधिक होने के कारण मुखिया को सहयोग देने के लिये लोगों का होना जरूरी है'।

अंत में पार्वती देवी कहती हैं कि पंचायत सेवक के होने से उनके लिये व्यक्तिगत क्षमता को बढ़ाने की बहुत जरूरत नहीं होगी। किन्तु इसके साथ ही उनका यह भी मानना है कि योजनाओं को बनाने के लिये अपनी जानकारी बढ़ाना बहुत जरूरी है तभी गाँव और यहाँ के लोगों का विकास हो सकेगा।

ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

SIRD
झारखण्ड सरकार
Change For Growth

unicef
for every child